एक नजर में

हिंदू समाज का संगठित होना आवश्यक

इंदौर . हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु डॉ. चारूदत्त पिंगले जी अपने इंदौर प्रवास के दौरान विभिन्न आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए. इस अवसर पर उन्होंने श्री नाथ सम्प्रदाय के योगेश्वर सद्गुरु शीलनाथ महाराज की पावन तपोभूमि के दर्शन किए और हिंदू राष्ट्र की स्थापना हेतु प्रार्थना की. भाजपा नगर मंत्री अधिवक्ता स्वाति कशिद ने सद्गुरु जी को इस तपोभूमि की आध्यात्मिक विशेषताओं से अवगत कराया. प्रवास के दौरान भाजपा नगर मंत्री अधिवक्ता श्रीमती स्वाति कशिद द्वारा मातृशक्ति के लिए एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सद्गुरु जी का भावपूर्ण सम्मान किया गया. इसके साथ ही, इंदौर के सर्वसंपन्न नगर में प्रबुद्ध जनों के लिए एक अन्य संगोष्ठी आयोजित की गई. आशीष साध के विशेष प्रयासों से संपन्न हुई इस संगोष्ठी में सद्गुरु डॉ. चारूदत्त पिंगले जी ने उपस्थित जनसमूह का मार्गदर्शन किया. सद्गुरु डॉ. चारूदत्त पिंगले जी ने अपने उद्बोधन में विशेष बल देते हुए कहा कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना हेतु हिन्दू समाज को धर्म बल और साधना बल बढ़ाने की आवश्यकता है. हिंदुओं को अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों के माध्यम से संगठित होना आवश्यक है.

गौरी नगर में सुंदरकांड का आयोजन

इंदौर . हनुमान जयंती के पावन अवसर पर गौरी नगर में सनातन इवेंट ऑर्गनाइजेशन ग्रुप द्वारा द्वितीय भव्य सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और राम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा. सुंदरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालु पूरे मनोभाव से मंत्रमुग्ध होकर भक्ति में लीन रहे. कार्यक्रम की शुरुआत में सोसाइटी के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया. इस अवसर पर विधायकश्री रमेश मेंदोला मुख्य रूप से उपस्थित रहे. कार्यक्रम में समिति के सदस्य दिनेश चौहान, मनीष नामदेव, चंद्रप्रकाश नामदेव, अजय वर्मा, अभिषेक शर्मा, शैलेन्द्र चौहान, गुलशन साहू एवं योगेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी के लोग उपस्थित रहे. समिति सदस्य अभिषेक शर्मा ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर किया जाता है.

कॉर्पोरेट पाठशाला का समापन

इंदौर . भविष्य के कॉर्पोरेट लीडर्स तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित कॉर्पोरेट पाठशाला एग्जीक्यूटिव ऑफ द ईयर 2026 कार्यशाला का समापन हुआ. 16 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को प्रेजेंटेशन के आधार पर परखा गया, जिसमें 40 टीमों में से 8 टीमों ने फाइनल राउंड में जगह बनाई. निर्णायक मंडल में कॉर्पोरेट ट्रेनर धीरज शर्मा और वी द्यू फिनसर्व के सीईओ तनमय जैन शामिल रहे. इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास देती हैं. प्रतियोगिता में यशराज सिंह और यश मंडोवरा विजेता रहे, जबकि एंजेल पहाड़िया और भव्या मिश्रा उपविजेता बने. संचालन अनय वैष्णव और प्रीशियस पाटीदार ने किया, आभार अर्निका काबरा ने माना. समन्वयक साईदीप श्रीवास्तव, सह समन्वयक दीपक शर्मा और मीनल भंडारी रहे. इस दौरान डॉ. क्षमा पैठणकर, डॉ. दीपा कटियाल, डॉ. मंदीप गिल सहित प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे.

नेत्र शिविर का आयोजन

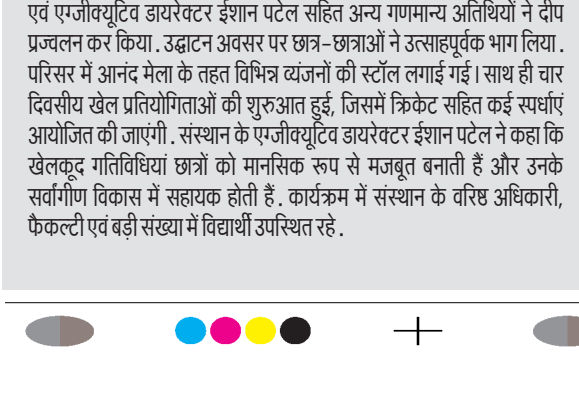

इंदौर . जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप सीनियर सिटीजन, चोईथराम नेत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में श्री दुर्गा शक्तिपीठ महू गांव पर विशाल नेत्र शिविर आयोजित किया गया. ग्रुप के अध्यक्ष सुरेश देशलहरा और शिविर संयोजक अनोखीलाल जैन ने बताया कि इस शिविर में 280 मरीजों ने लाभ लिया 36 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया जिनके आपरेशन निशुल्क होंगे. जरूरतमंद को 165 चश्मे रियायती दरों पर दिए गए. इस शिविर के मुख्य लाभार्थी बाफना परिवार इन्दौर है. ग्रुप के समाज सेवी, अशोक कुमार सोजतिया, कैलाश नाहार, गोपीलाल सामोता, किरण बाफना, चंद्र कुमार फतेहपुरीया, प्रकाश भटेवरा, अरविन्द चोधरी, सुरेश सकलेचा, आनंदीलाल संचेती, महेश डकोलिया, शशिकांत महाराज, रामदयाल तिवारी, सतानंद दुबे आदि का भरपूर सहयोग रहा.

खेल प्रतियोगिताओं के साथ उमंग का शुभारंभ

इंदौर . पटेल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में उमंग 2026 का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथियों डॉ. मनीष जायसवाल, गौरव साक्षी एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशान पटेल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया. उद्घाटन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. परिसर में आनंद मेला के तहत विभिन्न व्यंजनों की स्टॉल लगाई गई. साथ ही चार दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई, जिसमें क्रिकेट सहित कई स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी. संस्थान के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशान पटेल ने कहा कि खेलकूद गतिविधियां छात्रों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं. कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

शराब दुकान के खिलाफ सड़क पर उतरे रहवासी

चूल्हा जलाकर जताया विरोध, एमआईसी सदस्य भी पहुंचे मौके पर

नव भारत न्यूज

इंदौर. मालवा मिल क्षेत्र में प्रस्तावित शराब दुकान के विरोध में बुधवार को रहवासियों का गुस्सा फूट पड़ा. बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुटे और करीब चार घंटे तक डटे रहे. इस दौरान विरोध का अनोखा तरीका भी देखने को मिला, लोगों ने सड़क पर ही चूल्हा जलाकर पोहा बनाकर खाया और प्रदर्शन जारी रखा.

प्रदर्शन के दौरान रहवासियों का कहना है कि रिहायशी इलाके में शराब दुकान खुलने से माहौल खराब होगा और बच्चों पर गलत असर पड़ेगा. उनके मुताबिक यह दुकान किसी अन्य क्षेत्र से शिफ्ट कर यहां लाई जा रही है, जिसे वे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेंगे. विरोध के बीच बीजेपी पार्षद व एमआईसी सदस्य नंदू पहाड़िया भी समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और रहवासियों से चर्चा कर उनकी मांगों का समर्थन किया. वहीं स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया, ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने. प्रदर्शन के दौरान लोग टेंट लगाने की तैयारी कर रहे थे, जिसे पुलिस ने रुकवा दिया.

600 मीटर के दायरे में पहले ही चल रहीं चार दुकानें

मौके पर पहुंचे आबकारी अधिकारी भी स्थिति का जायजा लेते रहे, लेकिन दुकान को लेकर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं ले सके. स्थानीय लोगों ने बताया कि आसपास पहले से ही 600 मीटर के दायरे में चार शराब दुकानें संचालित हैं और यह पांचवीं दुकान होगी, जो उचित नहीं है. उन्होंने याद दिलाया कि साल 2022 में भी इसी तरह विरोध हुआ था, बावजूद इसके फिर से दुकान खोलने की तैयारी की जा रही है. रहवासियों ने साफ कर दिया है कि जब तक दुकान का स्थान बदला नहीं जाता, उनका विरोध जारी रहेगा.

तीन बेटियों के पिता ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

दोनों पैर से दिव्यांग होने के बाद भी रिक्शा चलाकर पाल रहा था परिवार

इंदौर. एमआईजी थाना क्षेत्र में एक ई रिक्शा चालक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जिंदगी समाप्त कर दी. मृतक दोनों पैरों से दिव्यांग थे और कड़ी मेहनत कर अपने परिवार की जिम्मेदारी निभा रहे थे. शुरुआती जांच में पारिवारिक कलह को आत्महत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है.

थाना प्रभारी सीबी सिंह ने बताया कि 34 वर्षीय मृतक रवि पिता दिनेश जगजीवन राम नगर में रहते थे. घटना के समय वह घर पर अकेले थे और उनकी पत्नी काम पर गई हुई थी. परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें फंदे पर लटका पाया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक के छोटे भाई रितेश ने बताया कि रवि शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद स्वाभिमानी और मेहनती थे. वह ई रिक्शा चलाकर अपनी तीन बेटियों और पत्नी का पालन पोषण कर रहे थे.

रितेश ने कहा कि रवि और उनकी पत्नी के बीच अक्सर छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़े होते रहते थे, संभवत: इसी पारिवारिक तनाव और मानसिक दबाव के कारण रवि ने यह आत्मघाती कदम उठाया. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों और पत्नी के विस्तृत बयान ले रही है, ताकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके.

तीसरी मंजिल की छत से गिरकर व्यक्ति की मौत

इंदौर. बाणगंगा थाना क्षेत्र के रेवती रेंज में रहने वाले 42 वर्षीय नंदराम की तीसरी मंजिल की छत से गिरकर मौत हो गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक वह छत पर सो रहे थे और नींद में संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ.

थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि मृतक के बेटे अरविंद का कहना है कि उनके पिता रोजाना की तरह रात में घर की तीसरी मंजिल की छत पर सोने गए थे. जिस जगह वह सो रहे थे, वहां सुरक्षा के लिए पक्की बाउंड्री नहीं थी, केवल ईंटों की छोटी मुंडेर बनी थी. रात में नींद के दौरान संभवत: करवट लेने पर नंदराम का संतुलन बिगड़ा और वह सीधे जमीन पर गिर गए. गिरने की आवाज सुनकर घर के लोग बाहर भागे और उन्हें गंभीर हालत में तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही बाणगंगा पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं इस हादसे के पीछे कोई और कारण तो नहीं था.

बहन जीजा पर प्रेमी का शक करना बना आत्महत्या की वजह

जांच उपरांत 10 महीने बाद प्रेमी पर हुई एफआईआर

इंदौर. द्वारकापुरी क्षेत्र में युवती की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने 10 महीने बाद मोबाइल चैटिंग व परिवार के बयानों के आधार पर प्रेमी द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है. जांच में सामने आया है कि युवती और उसके प्रेमी के बीच मुंह बोले जीजा और बहन को लेकर आए दिन विवाद होता था. प्रेमी द्वारा दी जाने वाली प्रताड़ना से तंग आकर ही युवती ने सुसाइड किया था.

थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि 14 मई 2025 को विदुर नगर निवासी स्वाति सोलंकी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. वह वैष्णो कॉलेज से मैनेजमेंट में मास्टर्स की पढ़ाई कर रही थी. मृतका के पिता गजानंद सोलंकी ने पुलिस को की शिकायत में बताया कि स्वाति का लोकेश चौहान के साथ करीब 5 साल से प्रेम संबंध था. दोनों द्वारकापुरी

क्षेत्र में किराए के कमरे में मिलते थे, जहां स्वाति सिलाई का काम भी करती थी. परिवार ने इंटरकास्ट मैरिज का विरोध किया था, लेकिन स्वाति उसी से शादी करने की जिद पर अड़ी थी.

युवती के मोबाइल में भी शक और विवाद से जुड़े कई मैसेज मिले

आरोप है कि लोकेश स्वाति पर लगातार शक करता था और उसके घर आने वाले मुंह बोले जीजा व बहन को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करता था. इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होते थे. आरोपी प्रेमी स्वाति को पारिवारिक कार्यक्रमों में जाने से भी रोकता था. जांच में सामने आया कि 12 मई को जन्मदिन के दिन भी इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था. पुलिस को मोबाइल से मिली चैटिंग में भी शक और विवाद से जुड़े कई मैसेज मिले हैं, जिससे युवती मानसिक रूप से परेशान थी. द्वारकापुरी पुलिस ने आरोपी लोकेश चौहान के खिलाफ प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

नौ गौभक्तों को दिया दादाभाई स्मृति सम्मान

गौसेवा भारती ने 20 वर्षों पुरानी परम्परा को बढ़ाया आगे

इंदौर. पिछले 20 वर्षों से जारी गौसेवा एवं गौरक्षा कर रहे गौ भक्तों के सम्मान की परम्परा को आगे बढाते हुए गौसेवा भारती द्वारा इस वर्ष चयनित 9 गौ भक्तों को दादाभाई स्मृति सम्मान से सदगुरु डॉ. अण्णा महाराज, विहिप के पूर्व केन्द्रीय उपाध्यक्ष हुकुमचंद सावला एवं विश्व ब्राह्मण समाज संघ के अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत की अध्यक्षता में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में अलंकृत किया गया. समारोह में प्रतिवर्षानुसार नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई. 27 अप्रैल को देशव्यापी गौ सम्मान आह्वान आन्दोलन इंदौर में भी चलाया जाएगा.

केसर बाग रोड, लोकमान्य नगर स्थित लोखंडे सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस मौके पर गौसेवक राधेश्याम काबरा, सीमा सेन, सोनम शर्मा, सुभाष पुरोहित, पारस कोठारी, रामकुमार महाराज, संजय-तृप्ति अग्रवाल सहित 9 गौ भक्तों को परम गौ भक्त दादाभाई स्व. गुलाबचंद खंडेलवाल की स्मृति में माला, प्रशस्ति पत्र, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया. गौसेवा भारती के साथ चेतन्य भारत और मातृशक्ति की भी भागीदारी रही. इस मौके पर अमित राजपूत ने गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत 27 अप्रैल को सम्पूर्ण देश में होने वाले जन आन्दोलन की जानकारी देते हुए इंदौर में सुबह 10 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुँचने का आग्रह किया. यह आन्दोलन साधु-संतों के नेतृत्व में देश की सभी 600 से अधिक तहसीलों में चलाया जाएगा. गौसेवकों के सम्मान समारोह का संचालन प्रभारी कैलाशचंद्र खंडेलवाल ने किया.

गौसेवा का संकल्प दिलवाया

इसके पूर्व सदगुरु अण्णा महाराज ने कहा कि गौ सेवा परमेश्वर की सेवा जैसी पुण्यदायी सेवा है. मुख्य वक्ता हुकुमचंद सावला ने गौमाता के अद्भुत और अनुकरणीय गुणों का उल्लेख करते हुए सभी गौ भक्तों को गौसेवा का संकल्प दिलवाया. पं. योगेन्द्र महंत ने कुछ राज्यों में हो रही गौ हत्या को देश के लिए कलंक निरुपित किया. कार्यक्रम का संचालन किया प्रो. डॉ. विनायक पांडे ने.

गर्मी में मूक परिंदों की सेवा की दिलाई शपथ

परिचय सम्मेलन में सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति का किया सम्मान

नव भारत न्यूज

इंदौर. समाजसेवी स्व. मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में श्री अग्रवाल महासभा द्वारा पिछले दिनों गांधी हाल पर आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क अ.भा. युवक युवती परिचय सम्मेलन में सहयोग देने वाले बंधुओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया.

कार्यक्रम में महासभा के समन्वयक संतोष गोयल ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सहयोग और भागीदारी से ही ऐसे बड़े और समाजहित के आयोजन सार्थक बन पाते हैं। सम्मान से नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। अगला सम्मेलन मार्च 2027 में और अधिक व्यापक स्वरुप में आयोजित होगा.

महासभा के अध्यक्ष डॉ. सतीश गोयल, महिला समिति की प्रमुख उर्मिला गोयल एवं पुष्पा गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन के दौरान विनोद अग्रवाल (जावरा), पिंकी रवि अग्रवाल, शर्मिला गोयल, राखी मित्तल, आरती अग्रवाल, उमा बंसल, नीना बद्रूका, चंचल अग्रवाल, रश्मि नरेडी, स्वाति गोयल, पिंकी नरेश अग्रवाल, लवीशा अग्रवाल, आभा अग्रवाल, ममता गर्ग एवं प्रियंका गर्ग सहित अनेक मातृशक्ति ने दिनरात परिश्रम कर अपना योगदान दिया. पत्रिका मिलान करने वाले पं. घनश्याम शर्मा एवं प्रतिदिन दोनों समय स्वादिष्ट भोजन बनाने वाले धामनोद के अमित गर्ग का भी इस अवसर पर अतिथियों ने स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया. कार्यक्रम का संचालन मनीष जैन ने किया. आभार माना अजय बंसल ने.

सकोरे भेंट किए

सामाजिक सरोकार की दिशा में अपनी परम्परा कायम रखते हुए महासभा की ओर से सभी समाज बंधुओं को सकोरे भेंटकर मूक परिंदों के लिए ग्रीष्मकाल में दाना-पानी रखने का संकल्प भी दिलाया गया. असमन्वयक संतोष गोयल ने बताया कि अब 34वां अ.भा. सम्मेलन मार्च 2027 में बाबूजी स्व. मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में आयोजित किया जाएगा.

विश्व होम्योपैथी दिवस पर मानव श्रृंखला व स्वास्थ्य शिविर

इंदौर. श्री गुजराती समाज द्वारा संचालित एस.के.आर.पी. गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, इंदौर में विश्व होम्योपैथी दिवस के उपलक्ष्य में आज जनजागरूकता हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया तथा एक मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया. इस श्रृंखला में लगभग 380 छात्र-छात्राओं एवं करीब 100 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया, जिसने शहर में होम्योपैथी के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया. महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. ए.के. द्विवेदी ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होती हैं. इस अवसर पर आमजन के लिए नि:शुल्क रक्त जांच, ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसका बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि होम्योपैथी एक सुरक्षित, प्रभावी एवं जनहितकारी चिकित्सा पद्धति है, जो विशेष रूप से बच्चों में लोकप्रिय है तथा जटिल रोगों के उपचार में भी कारगर सिद्ध होती है. कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. राजेश बोर्डिया, डॉ. प्रीति कवठेकर, डॉ. शिखा शर्मा, डॉ. अंजलि निगम, डॉ. रूपाली दवे, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ. नवनीत सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर में

एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन के बाद दी नई जिन्दगी

एक साल के मासूम के गले में फंसी थी 'जिंदा मछली'

इंदौर. यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवायएच) के ईएनटी विभाग में एक ऐसा दुर्लभ मामला सामने आया, जिसने अनुभवी डॉक्टरों को भी हैरत में डाल दिया. महज एक साल के एक मासूम बच्चे के गले में फंसी एक जिंदा मछली को डॉक्टरों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला.

परिजनों ने बताया कि खेल-खेल में एक छोटी जीवित मछली बच्चे के मुंह में चली गई थी, जो सीधे गले के पिछले हिस्से में जाकर अटक गई. जब बच्चे को एमवाय अस्पताल लाया गया, तब उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी. वह न तो रो पा रहा था और न ही ठीक से सांस ले पा रहा था. डॉक्टरों के अनुसार बच्चे को सांस लेने में कठिनाई, घबराहट, बेचैनी और मुख से खून आना जैसी समस्या हो रही थी. डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि मछली जीवित थी. मछली के गलफड़ों और पंखों की हलचल से बच्चे के स्वर-यंत्र और भोजन नली के जख्मी होने का पूरा अंदेशा था. केस की गंभीरता को देखते हुए ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. यामिनी गुप्ता ने बिना समय गंवाए आपातकालीन टीम को अलर्ट किया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मरीज का ऑपरेशन कक्ष में तुरंत उपचार शुरू किया गया. इस चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू में डॉ. यामिनी गुप्ता, डॉ. वर्षा राठी, डॉ. प्रेम प्रकाश धुर्वे और डॉ. सुरेंद्र पाल अलावा, डॉ मेघा, डॉ पूजा व निश्चेतना विभाग की डॉ. मोनिका गांधी व टीम ने मोर्चा संभाला.

इतनी छोटी उम्र में पहले नहीं देखा मामला

एमवाय अस्पताल की ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. यामिनी गुप्ता ने बताया कि यह मामला न केवल चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि समय पर सही उपचार और विशेषज्ञता से किसी भी गंभीर स्थिति को संभाला जा सकता है. मौजूदा लिखित चिकित्सा साहित्य में संपूर्ण मध्य भारत में इतनी छोटी उम्र में ऐसा मामला पहले कभी नहीं देखा गया.

डॉक्टरों ने अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ करीब 3 इंच की गोरामी मछली को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया. उपचार प्रक्रिया के बाद बच्चे की सांस सामान्य हो गई और उसकी स्थिति स्थिर हो गई. विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे बच्चों में इस प्रकार की घटनाएं बहुत खतरनाक हो सकती हैं इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को छोटी या जीवित वस्तुओं से दूर रखें और हमेशा उनकी निगरानी करें.